मैंने यह नागरिकता बड़ी कीमत देकर पाई” — इसका क्या अर्थ
है? (प्रेरितों के काम 22:28)

प्रसंग और व्याख्या:

यह घटना प्रेरित पौलुस के जीवन के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर घटित होती है। वह यरूशलेम में गिरफ़्तार कर लिया गया था क्योंकि उस पर झूठा आरोप लगाया गया था कि उसने अन्यजातियों को मंदिर में प्रवेश कराया। जब रोमी सैनिक उसे कोड़े मारकर पूछताछ करने वाले थे, तब पौलुस ने एक महत्वपूर्ण तथ्य बताया: वह एक रोमी नागरिक था।

आइए इस संदर्भ को प्रेरितों के काम 22:25 से देखें:

प्रेरितों के काम 22:25–28 (ERV-HI)
25 जब वे उसे कोड़े मारने के लिए बाँध रहे थे, तो पौलुस ने
वहाँ खड़े सेनानायक से पूछा, “क्या बिना दोष सिद्ध हुए किसी रोमी नागरिक को कोड़े मारना तुम्हारे लिए वैध है?”
26 जब सेनानायक ने यह सुना तो वह सूबेदार के पास गया और उसे यह कहकर बताया, “तू क्या करने वाला है? यह आदमी तो रोमी नागरिक है।”
27 तब सूबेदार ने पौलुस के पास जाकर पूछा, “मुझे बता, क्या तू रोमी नागरिक है?” उसने उत्तर दिया, “हाँ।”
28 सूबेदार ने कहा, “मैंने यह नागरिकता बड़ी कीमत देकर पाई है।” पौलुस ने उत्तर दिया, “मैं तो जन्म से ही इसका नागरिक हूँ।”

रोमी नागरिकता का क्या महत्व था?

प्रथम शताब्दी में रोमी साम्राज्य उस समय की सबसे बड़ी महाशक्ति था। रोमी नागरिकता एक बहुमूल्य अधिकार था जो उसके धारक को कई विशेषाधिकार और कानूनी सुरक्षा देता था:

एक रोमी नागरिक को बिना उचित मुकदमे के दंडित नहीं किया जा सकता था।
उन्हें कोड़े मारने या क्रूस पर चढ़ाने जैसी अपमानजनक सज़ाओं से बचाव प्राप्त था।
उन्हें सम्राट के पास अपील करने का अधिकार था (प्रेरितों के काम 25:11)।
रोमी कानून के अनुसार किसी को दंड देने से पहले सार्वजनिक आरोप और न्यायिक प्रक्रिया आवश्यक थी।

इन्हीं विशेषाधिकारों के कारण रोमी नागरिकता अत्यधिक मूल्यवान थी, और लोग इसे प्राप्त करने के लिए बड़ी कीमत देने को भी तैयार रहते थे।

जन्मजात बनाम खरीदी गई नागरिकता

आयत 28 में सूबेदार कहता है: “मैंने यह नागरिकता बड़ी कीमत देकर पाई है।” यह दर्शाता है कि उसने यह अधिकार किसी तरह की धनराशि देकर या शायद रिश्वत के माध्यम से प्राप्त किया होगा। ऐतिहासिक प्रमाण बताते हैं कि सम्राट क्लॉडियुस (ई. सन् 41–54) के शासनकाल में नागरिकता कई बार रिश्वत या अनैतिक तरीकों से दी

जाती थी – विशेषकर जनगणना के समय।

प्रेरितों के काम 23:26 में इस सूबेदार का नाम क्लॉडियुस लूसियास बताया गया है। उसके नाम “लूसियास” से संकेत मिलता है कि वह यूनानी मूल का था और नागरिकता उसने संभवतः पैसे या राजनीतिक प्रभाव के ज़रिए पाई थी।

पौलुस का उत्तर था: “मैं तो जन्म से ही इसका नागरिक हूँ।” इसका अर्थ है कि उसके पिता या पूर्वजों को यह अधिकार कानूनी रूप से प्राप्त हुआ था – संभवतः रोमी साम्राज्य के लिए की गई किसी सेवा के बदले में। पौलुस का जन्म किलिकिया के तरसुस नामक शहर में हुआ था, जो शिक्षा और राजनीति का एक प्रमुख केंद्र था। हो सकता है कि उसकी पूरी जाति को सामूहिक रूप से नागरिकता दी गई हो।

पौलुस की रोमी नागरिकता परमेश्वर द्वारा दी गई एक सामयिक व्यवस्था थी, जिसका उपयोग सुसमाचार के प्रचार के लिए हुआ। इससे उसे यात्रा करने, न्यायपूर्ण सुनवाई पाने और यहाँ तक कि सम्राट के पास अपील करने की स्वतंत्रता मिली (प्रेरितों के काम 25:10–12)।

थियोलॉजिकल दृष्टिकोण: सांसारिक बनाम स्वर्गीय नागरिकता

हालाँकि रोमी नागरिकता सांसारिक रूप से अत्यंत मूल्यवान थी,

लेकिन नया नियम एक और भी महान और शाश्वत नागरिकता की बात करता है — स्वर्ग की नागरिकता।

फिलिप्पियों 3:20 (ERV-HI)
“परन्तु हमारा नागरिकत्व स्वर्ग में है, जहाँ से हम प्रभु
यीशु मसीह, उद्धारकर्ता की बाट जोह रहे हैं।”

यह स्वर्गीय नागरिकता न तो जन्म से मिलती है, न ही पैसों से खरीदी जा सकती है। यह केवल आत्मिक नया जन्म के द्वारा प्राप्त होती है, जैसा कि यीशु ने निकुदेमुस से कहा:

यूहन्ना 3:3–5 (ERV-HI)
3 यीशु ने उत्तर दिया, “मैं तुमसे सच कहता हूँ कि यदि कोई फिर से जन्म न ले, तो परमेश्वर के राज्य को देख ही नहीं सकता।”
4 निकुदेमुस ने पूछा, “जब कोई आदमी बूढ़ा हो चुका होता है तो वह कैसे जन्म ले सकता है? क्या वह फिर से अपनी माँ के गर्भ में जा सकता है?”
5 यीशु ने उत्तर दिया, “मैं तुमसे सच कहता हूँ कि यदि कोई जल और आत्मा से जन्म न ले तो वह परमेश्वर के राज्य में प्रवेश नहीं कर सकता।”

पुनर्जन्म का अर्थ है कि व्यक्ति ने अपने पापों से मन फिराया है और यीशु मसीह को अपना प्रभु और उद्धारकर्ता स्वीकार किया है। पवित्र आत्मा के कार्य के द्वारा वह नया प्राणी बन जाता है, परमेश्वर के परिवार में शामिल होता है और उसके अनंत राज्य का नागरिक बन जाता है।

निष्कर्ष:

पौलुस की सांसारिक नागरिकता ने उसे सुरक्षा और सम्मान प्रदान किया, लेकिन वह जानता था कि यह सब अस्थायी है। उसकी सच्ची आशा — और हमारी भी — एक ऐसे राज्य में है जो कभी नष्ट नहीं होगा।

क्या आपने उस अनन्त नागरिकता को प्राप्त किया है?

मरानाथा।

Share on:
WhatsApp